>

Title: Issues regarding corruption in Government Schemes.

SHRI BASU DEB ACHARIA(BANKURA) : Madam, there has been exposure of scam and scandal during the last four to five years one after another. It started from 2G spectrum. Then came the scam in the preparation of Commonwealth Games which we discussed in the last Session but we want to discuss it again in this Session because there have been new revelations in this regard. The recent one is the scam in regard to the allotment of flats by Adarsh Housing Cooperative Society in Colaba of Mumbai. When this was exposed, the entire nation was ashamed because that land belonged to the Ministry of Defence and that was earmarked for Kargil martyrs. The flats which were earmarked for the Kargil martyrs were handed over or given to the relatives and kith and kin of some Defence officers like the former Army Chief. How has this happened? How was the land which belonged to the Ministry of Defence passed on to the promoter and how were all the rules and regulations allowed to be violated? By mere resigning from the Chief Ministership is not enough. There is a need for a thorough probe. An independent probe is required and those who are responsible, maybe political bosses, should be punished. Action should be taken against those who have violated the rules and regulations. Even the Navy objected to the construction of the building but those rules were not observed. Violation of rules and regulations has taken place. Even the environment regulations have not been observed. How has this happened? The Government regulations have not been observed. How has this happened?

The Government owes an explanation to this House and they should make a statement on this. We demand that there should be a thorough probe into the matter and those who are responsible for this act of commission and omission should be punished. Action should be taken against them, whoever he or she may be. The Government should make a statement in this House as to what action it will take against those responsible for this large scale corruption and nepotism. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Shri Hansraj Ahir may be allowed to associate with Shri Basu Deb Acharia on this issue.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, अभी जो विषय श्री बसुदेव आचार्य जी ने रखा है, चूंकि उनका एडजर्नमेंट मोशन का नोटिस था, इसलिए आपने उन्हें पहले बोलने का समय दिया। मैं आपके माध्यम से सदन में यह कहना चाहती हूं कि वैसे तो जब से यू.पी.ए. दूसरे अवतार में आया है, तब से हर दिन कोई न कोई भ्रष्टाचार का मामला सामने आता रहा। हमारा जो पिछला मानसून सत्र गया और यह जो शीतकालीन सत्र आया है, इन दो सत्रों के अंतराल में अगर मैं यह कहना चाहूं कि ऐसा लगा है कि सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है - राष्ट्रमंडल खेलों का घोटाला,...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप कृपया बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी) : अध्यक्ष महोदया, हम उन पर हमला करें या वे हम पर हमला करें, यह ठीक नहीं है। मैं इसे बिलकुल पसन्द नहीं करता हूं। ...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज: जब सरकार की बात है, तो उसमें सब पॉलीटिकल पार्टियां शामिल हैं। आप मत कहिए। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : आप भी मत कहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अभी जांच हुई है। आपने कहा कि हमारे यहां अभी जांच हुई है। हमने क्या गलत बोला है। आप समर्थन करने के लिए खड़ी हैं। ...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, मैं सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का मामला उठाना चाहती हूं। राष्ट्रमंडल खेलों में घोटाले हुए हैं। टू-जी स्पैक्ट्रम का इतना बड़ा घोटाला इस देश में हुआ है। आदर्श सोसायटी घोटाला हुआ है। सरकार की जो 'मनरेगा' योजना है, उसमें घोटाला है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए। बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए। बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए। बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। बोलने दीजिए। आपको भी मौका देंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अधीर रंजन जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया बैठ जाइए। Please sit down.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप भी बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : पहले तय हुआ था की सी.बी.आई. की कार्य-प्रणाली पर चर्चा होगी, लेकिन नहीं हुई। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अभी नेता प्रतिपक्ष बोल रही हैं। पहले उन्हें बोल लेने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्ष महोदया, जो मुलायम सिंह जी कह रहे हैं, मैं उससे शत-प्रतिशत सहमत हूं। आपने नहीं, वह नोटिस मैंने दिया है। वह नोटिस हमारी तरफ से दिया गया है। सी.बी.आई. की कार्य-शैली पर चर्चा हो, यह नोटिस हमारी तरफ से दिया गया है। आप समझ नहीं पा रहे हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जगदम्बिका पाल जी, आप कृपया बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : सी.बी.आई. की कार्य-प्रणाली और उसके राजनैतिक दुरुपयोग पर हाउस में बहस होगी, यह तय किया गया था, लेकिन उस पर चर्चा नहीं हो रही है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, आप कृपया बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्ष महोदया, यदि मुलायम सिंह जी, मेरी बात सुन लें, तो उन्हें पता लगेगा कि मैं वही कह रही हूं, जो वे कह रहे हैं।

सी.बी.आई. के राजनैतिक दुरुपयोग की चर्चा, मैंने आज सुबह भी आपसे, लीडर्स की मीटिंग में मांगी। नोटिस हमने दिया हुआ है। पिछली बार भी नोटिस दिया था। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : जब सी.बी.आई. के ऊपर चर्चा तय हो गई, तो वह क्यों नहीं हो रही है?

श्रीमती सुषमा स्वराज : वही तो मैं कह रही हूं। ...(व्यवधान)

अब अगला वाक्य तो आप मुझे बोलने ही नहीं दे रहे हैं। आप तो हर बार खड़े हो जाते हैं। आप मुझे अपना वाक्य तो पूरा करने दें। यह कोई बात है ?...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : सुषमा जी, आप मेरी तरफ क्यों देख रही हैं। आप चेयर को संबोधित कीजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप आपस में बात मत कीजिए। मुलायम सिंह जी, आप बैठिए। उन्हें बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, जहां तक सी.बी.आई. की कार्य-शैली पर चर्चा का सवाल है, पिछली बार चर्चा तय हो गई, उससे पिछली बार भी चर्चा तय हो गई। दो सत्रों से हम इस पर चर्चा की मांग कर रहे हैं, लेकिन चर्चा नहीं हो पाई। इसलिए इस बार फिर इस पर नोटिस दिया और आज सुबह आपसे कहा कि इस पर चर्चा हमें दीजिए। वह एक विषय है कि सी.बी.आई. का राजनीतिक दुरुपयोग यह सरकार कर रही है। उस पर तो हम निश्चित तौर पर चर्चा करेंगे, लेकिन इस समय ...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : महोदया, हमने भी यह मामला उठाया है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, लेकिन इस समय मैं जो विषय उठा रही हूं कि सरकार जिन फ्लैगशिप प्रोग्राम्स का दावा करती है, उनमें दो सबसे बड़े प्रोग्राम की बात करती है, एक मनरेगा और दूसरा राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण।

जिन घोटालों की मैं चर्चा कर रही हूं, फिर चाहे वह राष्ट्रमंडल खेलों का घोटाला हो, आदर्श सोसायटी घोटाला हो या 2-जी स्पैक्ट्रम घोटाला हो, उनसे भी ज्यादा घोटाला इन फ्लैगशिप प्रोग्राम्स में हो रहा है। ...(व्यवधान)

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : इसलिए इस सत्र में...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप क्यों बोल रहे हैं, आप तो बैठ जाइये।

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please take your seats.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइये, सुरेश कुरुप जी। कुरियन जी, आप भी बैठ जाइये। आप बैठिये न, हम उनको बैठा रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: अधीर रंजन जी, आपका नाम लिस्ट में है, आप भी बाद में बोलिएगा। पूनिया जी बैठिये। कमल किशोर जी, बैठ जाइये।

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, मैं आपसे केवल एक बात पूछना चाहती हूं कि प्रतिपक्ष अपनी बात यदि संसद के फर्श पर नहीं कहेगा तो कब कहेगा? जो कुछ ये लोग पीछे से करते हैं, हम संसद के सत्र का इन्तजार करते हैं, हम संसद के सत्र की प्रतीक्षा करते हैं कि हम वहां अपनी बात कहेंगे। आपने कहा कि प्रश्न काल स्थगित मत करो।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइये। अब आप बैठिये न, हमने उनको बैठाया है, आप भी बैठ जाइये। तूफानी सरोज जी, आप क्यों खड़े हो रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइये। Nothing will go on record except what Shrimati Sushma Swaraj says.

*(Interruptions) â€¦**

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइये। देखिये, वे लोग बैठ गये हैं तो अब आप लोग खड़े हैं। आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: हरिन पाठक जी, बैठ जाइये। सुषमा जी, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: जगदम्बिका पाल जी, आप बैठ जाइये, आप क्यों खड़े हैं। आप भी बैठ जाइये, बार-बार खड़े हो रहे हैं। Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

अध्यक्ष महोदया: महाबल मिश्रा जी, आप भी बैठ जाइये। आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

MADAM SPEAKER: Only what Shrimati Sushma Swaraj says will go on record and nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए आपने सत्र के दौरान और सत्र के अन्तराल में बैठक की। उन दोनों बैठकों का परिणाम यह हुआ कि सुबह भी हमने आपसे यह कहा कि ठीक है, हम प्रश्न काल स्थगित नहीं करेंगे। प्रश्न काल स्थगित नहीं हुआ। आपने कहा कि शून्य प्रहर में अपनी बात कह देना। शून्य प्रहर में भी बजाय हंगामे के बड़ी साइस्तगी से हम लोग अपनी बात कह रहे हैं और अच्छी तरह से बात चल रही है तो मैंने ऐसी कौन सी बात कह दी कि पूरा का पूरा सत्ता पक्ष उत्तेजित होने लगा? मैं यह बात कह रही हूं...(व्यवधान) यह देखिये। अब मैं आपसे कह रही हूं कि अगर हाउस नहीं चल रहा, अगर आज हाउस में व्यवधान हो रहा है तो सत्ता पक्ष इसके लिए दोषी है।

इसके लिए विपक्ष दोषी नहीं है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जगदंबिका पाल जी, बैठिए। पूनिया जी, बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जगदंबिका पाल जी आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI HARIN PATHAK (AHMEDABAD EAST): You do not want to see that Parliament functions!...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): What are the threats that you are always issuing?...(*Interruptions*) What is this threat कि पार्लियामेंट नहीं चलने देंगे। ...(*Interruptions*)

SHRI HARIN PATHAK : For the first time, the first day of the Winter Session is running smoothly. Do you want to disturb it?...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैडम, आपके साथ आपके चैंबर में बनी सहमति कौन तोड़ रहा है, इसको आप देखिए। हमारी ओर से कोई हंगामा नहीं हुआ। हमने प्रश्न काल चलने दिया। अपनी बात शाइस्तगी के साथ कहने के लिए हम खड़े हुए हैं। बसुदेव आचार्य जी ने जो भावनायें एडजर्नमेंट मोशन से उठायीं, उसको मैं ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : महाबल मिश्र जी, बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : कल से आप हमें दोष मत दीजिए। संसद को चलाने की जिम्मेदारी सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष की इकट्ठे होती है, इसे हम निभा रहे हैं और वे नहीं निभा रहे हैं। अगर आज कोई व्यवधान डाल रहा है, तो वे डाल रहे हैं। ...(व्यवधान) हम भ्रष्टाचार की बात नहीं कह सकते। ...(व्यवधान) ये घोटाले भी करेंगे और उस पर हमें बोलने भी नहीं देंगे। ...(व्यवधान) अगर ये घोटाले करेंगे, तो हम बोलेंगे तो सही ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग क्यों खड़े हो रहे हैं? बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : चारों तरफ से खड़े हो जाते हैं ...(व्यवधान) घोटालों की पोल खुलेगी।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : इन घोटालों का पर्दाफाश संसद के इस सत्र में होगा। इसलिए मैं आपसे संरक्षण चाहती हूं। अगर दो-दो मिनट में बोलने पर विघ्न करेंगे, तो चर्चा कैसे होने देंगे? मेरा आपसे निवेदन है कि जितने घोटाले मैंने गिनाए हैं, इनके ऊपर हमें विस्तृत चर्चा का मौका दीजिए। हर चीज पर हम चर्चा करना चाहते हैं। ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Hon. Members, please sit down. The hon. Minister is speaking.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : मंत्री महोदय बोल रहे हैं, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : माननीय नेता विपक्ष ने जो जिक्र आपके कक्ष में हुआ, अक्सर उसका जिक्र नहीं होता, लेकिन उन्होंने इसका जिक्र किया। मैडम, मैं आपको याद दिला देना चाहता हूं कि वहां यह बात हुयी थी कि जिस चीज पर भी आप चर्चा चाहती हैं, उस समय घोटालों का जिक्र हुआ था, उसी वक्त साथ-साथ श्री गुरूदास दासगुप्त जी ने और दूसरे सदस्यों ने कहा था कि जब हम इन घोटालों की बात करते हैं, तो संविधान के साथ क्या हुआ है, कैसे लोकतंत्र को बेचा और खरीदा जा रहा है, उसका भी जिक्र साथ होना चाहिए। ...(व्यवधान) आप खड़े हुए, आपका आदर के साथ आपकी बता सुनना चाहते हैं ...(व्यवधान) अगर एक सदस्य ने बीच में कुछ कह दिया ...(व्यवधान) मुझे मालूम है कि आप उसका जवाब दे देंगी। आप उसका जवाब दे सकते हैं। ...(व्यवधान) हंगामा तब होता है जब उस वक्त पचास खड़े हो जाएं। अगर एक ने कुछ कहा, यह अक्सर होता है ...(व्यवधान) मुझे मालूम है कि कब कितने खड़े हुए? ...(व्यवधान) अगर आप अपनी बात ...(व्यवधान) मैं आपसे इतनी ही गुजारिश करना चाहूंगा कि आप इतने सेंसेटिव मत होइए। ..(व्यवधान) यह धमकी, जो आपने कहा कि हाउस नहीं चलने देंगे, आपने कहा है कि हाउस चलायेंगे। ...(व्यवधान) अगर आप नरेगा की बात करें, उसमें कोई कह दे कि यह प्रांतों का विषय है, इसे वहां सरकारें करती हैं। ...(व्यवधान) अगर पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को आप कहें, तो लोग कह दें कि यह वहां की प्रांतों का सवाल है, जवाहर लाल नेहरू अर्बन डेवलपमेंट मिशन वहां की प्रांतों का सवाल है। ...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : टू जी स्पेक्ट्रम क्या प्रांतों का विषय है और सीडब्ल्यूजी क्या प्रांतों का विषय है?

श्री पवन कुमार बंसल : सुषमा जी आप इतनी उत्तेजित मत होइए। ...(व्यवधान) मैं कह रहा हूं कि आप जिस दिन कहेंगे, यह चर्चा हो जाएगी। ...(व्यवधान) मैडम जैसे सुबह बात तय हुयी है, चर्चा आप फिक्स कर दीजिए। जैसे ये चाहती हैं, वह चर्चा हो जाएगी। ...(व्यवधान)

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष महोदया, मुलायम सिंह जी ने जो सवाल उठाया था, मैं उसका समर्थन करता हूं। एक बात चर्चा के शुरू में निवेदन करना चाहता हूं कि सुषमा जी और बसुदेव आचार्य जी ने जो सवाल उठाया है, उस पर मैंने भी नोटिस दी थी। बंसल जी कह रहे थे कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। बंसल जी आप आए नहीं थे, इसके पहले कितने लोग जो ट्रेजरी बेंचेज हैं, उस पर खड़े हुए, उसका आपको पता नहीं है। ...(व्यवधान) आपका मौका भी जरूर आएगा।...(व्यवधान) हमें बोलने दीजिए।...(व्यवधान) जो सवाल दोनों माननीय सदस्यों ने उठाया, मुलायम सिंह जी ने भी गंभीर सवाल उठाया, आज देश में भ्रष्टाचार ऐसी बीमारी है, मैं

किसी के पक्ष और विपक्ष में नहीं कह रहा हूं, आज देश की स्थिति यह है कि चाहे मनरेगा हो, कॉमन वैल्थ गेम्स और शहीदों की आदर्श कालोनी का सवाल हो,...(व्यवधान) कारगिल के शहीदों के लिए...(व्यवधान)

श्री शीश राम ओला (झुंझुनू): कारगिल के शहीदों के कफन के बारे में जो हुआ, वह बताइए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रिकार्ड में कुछ नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : वह डिफैंस की जमीन थी। इस देश के शहीद जिनमें अधिकांश वे सिपाही होते हैं जो मोर्चे पर लड़ते हैं, उनकी विधवाओं के लिए थी। मैं मानता हूं कि जिन मुख्य मंत्री के रिश्तेदारों को वहां मिला, उनसे इस्तीफा लिया गया।...(व्यवधान) लेकिन चाहे कॉमन वैल्थ गेम्स हों, मैंने शुरू में ही सदन में कहा था कि इसमें इतने घोटाले निकलेंगे कि गिनते नहीं बनेंगे। आज चर्चा नहीं है, आपने सिर्फ मुद्दा उठाने के लिए पांच मिनट की अनुमति दी है। मैं कहना चाहता हूं कि जो हुआ, मेरे हिसाब से लगभग 70 हजार करोड़ रुपये से 90 हजार करोड़ रुपये का घास से लेकर तमाम चीजों में घोटाला हुआ। जब मौका आएगा तब उस बारे में विस्तार से बोला जाएगा। मैंने आपसे भी निवेदन किया कि भ्रष्टाचार के बारे में सदन में दो-तीन दिन की बहस करवाई जाए। यह बात पक्की है कि हम चाहे जितनी तरह की बातें कर लें, जैसे-जैसे आजीदी की उम्र बढ़ रही है, वैसे-वैसे भ्रष्टाचार चारों तरफ इतना बढ़ रहा है कि गरीब व्यक्ति के लिए जो पैसा जाता है, वह उसके करीब नहीं पहुंच रहा है। हर तरह से बर्बादी और तबाही है।...(व्यवधान)

श्री शीश राम ओला : कारगिल में जो लोग शहीद हुए, उनके कफन, ताबूत के बारे में जो हुआ, वह बताइए।...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : महोदया, आपने मुझे बोलने के लिए खड़ा किया है, लेकिन माननीय सदस्य बोलने नहीं देते। ...(व्यवधान) मैं कहना चाहता हूं कि जो सदस्य इतने उम्र दराज हैं, सीनियर हैं, वे कई बार खड़े हो रहे हैं। मुझे समझ में नहीं आता है कि आज इन्हें क्या हो गया है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ओला जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : अध्यक्ष महोदया, आप इन्हें बिठा लीजिए। ये बूढ़े व्यक्ति हैं।...(व्यवधान)

मैंने निवेदन किया कि भ्रष्टाचार हमारे खून में इस तरह मिल गया है जैसे कुएं में भांग गिरी हुई हो। यदि इस भांग के बारे में इस सदन चर्चा नहीं होने दी जाएगी, तो कैसे चलेगा। इन्होंने ताबूत के बारे में जो कहा, उसकी जांच की गई है। कौन कह रहा है कि उसकी जांच नहीं की गई? लेकिन उसका नतीजा क्या निकला? इस देश में जितनी जांच हुई, सुषमा जी ने सीबीआई के बारे में जो सवाल उठाया, आज यह कहते नहीं बनता। मैं बसुदेव आचार्य जी से पूछ रहा था कि इस बारे में क्या कहें, जांच किससे करवाई जाए। आप जेपीसी के बारे में नहीं मानते। सीबीआई का तंत्र अकेले इनके द्वारा नहीं, हर सरकार द्वारा, हमारी सरकार रही, हमारा प्रधान मंत्री रहा है, हमें मालूम है कि वह स्वायत तरीके से नहीं चल पाती।

जिस तरह आपने इलैक्शन कमीशन बनाया, सैक्रेट्री जनरल के चुनाव का एक रास्ता बनाया, उसी तरह इसे भी स्वायत बनाने के लिए आप प्रयास करें। अभी आपने सीवीसी का वायलेशन किया। आप जितना स्वायत करेंगे, उतना भ्रष्टाचार के मामले में रास्ता निकलने का काम होगा। सीबीआई के ऊपर से आज हम लोगों का विश्वास टूट गया है। मैं नहीं कह रहा कि उसने अच्छा काम किया या बुरा काम किया। जब किसी संस्था पर से विश्वास खत्म हो जाता है, तो देश का काम नहीं चलता।

मैं आपके माध्यम द्वारा संसदीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि इस विषय पर आप वक्त ज्यादा दीजिए। अगर आप वक्त ज्यादा देंगे, तो ज्यादा अच्छे तरीके से बहस हो सकेगी। मैं केवल आपकी या हमारी पार्टी की बात नहीं कह रहा हूं। लेकिन आपके दौर में एक साथ दो-तीन ऐसी घटनाएं हो गयीं, आपको लगातार कहने के बावजूद भी हो गयीं, इसलिए अफसोस होता है। आदर्श कालोनी, जो कारगिल के शहीदों की विधवाओं के लिए थी, उसमें भ्रष्टाचार हुआ, तो उसने पूरे देश में सब लोगों की चेतना पर चोट करने का काम किया। इसलिए ज्यादा समय देकर दुनिया भर के काम छोड़कर इस भ्रष्टाचार पर बहस करानी चाहिए। इसमें जो भी भ्रष्टाचारी हों, जो भी इस तरह के काम में संलिप्त हो, उनके लिए कोई सख्त कानून बनाया जाये, कोई रास्ता बनाया जाये। इन भ्रष्टाचारियों के खिलाफ पूरे देश में एक बड़ा आंदोलन होना चाहिए। श्री जय प्रकाश जी ने एक आंदोलन किया था, लेकिन आज वह फेल हो गया। मेरी आपसे विनती है कि इस बहस के लिए आप समय ज्यादा रखिये। जब आप इसमें समय ज्यादा रखेंगे तो सब लोग अपनी राय ठीक से रख सकेंगे।

श्री रामकिशुन (चन्दौली): माननीय अध्यक्ष जी, आपने हमें बोलने का अवसर दिया, उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। भ्रष्टाचार के चलते पूरी दुनिया में हिन्दुस्तान की शान और मान-मर्यादा घटी है। कारगिल के शहीदों के नाम पर मुम्बई में आदर्श कालोनी बनाने का काम था। राष्ट्रमंडल खेलों के नाम पर पचासों करोड़ रुपये के पेड़-पौधे लगाने पर घपला किया गया। राष्ट्रमंडल खेलों में पूरे खेल जगत को बदनाम करने का काम किया गया। यद्यपि हमारे देश के नौजवान खिलाड़ियों ने 101 पदक जीतकर देश की शान बढ़ायी है लेकिन देश में बैठी सरकारें और इन खेलों का आयोजन करने वाले लोगों ने इस देश की मान-मर्यादा को मटिया मेट करने का काम किया गया। इससे बड़ी शर्म की बात और कोई नहीं हो सकती। ...(व्यवधान) इसके साथ-साथ दूसरे जो भी घोटाले हुए हैं, उन सब घोटालों में देश में राजनैतिक पदों पर बैठे लोग, प्रशासनिक पदों पर बैठे लोगों की संलिप्तता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से इस सरकार और पूरे सदन से कहना चाहता हूं कि इन घोटालों की एक उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच हो और इस सदन में कम से कम स्वतंत्र रूप से और खुले दिल-दिमाग से चर्चा हो। आने वाले दिनों

में ऐसे भ्रष्टाचारों पर कड़ाई के साथ रोक लगे, ऐसे दोषियों को चिन्हित करके उन्हें सजा दिलाने का काम करें, तब जाकर देश की प्रगति और सम्मान को बचाने का काम हो सकता है। मैं आपके माध्यम से पूरे सदन से निवेदन करना चाहता हूं कि आज देश की जो तस्वीर दुनिया में बिगड़ी है, उसके पीछे हम सब लोग जिम्मेदार हैं। अगर हम सब अपने देश की तस्वीर को बनाने की कोशिश नहीं करते हैं, तो निश्चित तौर से हमारी दुनिया में जो ताकत है, कल ओबामा जी ने विश्व बंधुत्व की बात कही, बड़ी तारीफ के पुल बंधे, लेकिन अगर हम पीछे मुड़कर देखेंगे, तो ऐसे भ्रष्टाचार भी हमारे पीछे चिपके हैं, जिन पर दुनिया के लोग अंगुली उठाने का काम करेंगे। आज चाहे देश की सुरक्षा का सवाल हो, चाहे देश की आंतरिक सुरक्षा का सवाल हो, हमारे नेता मुलायम सिंह जी ने चीन का सवाल उठाया। चीन आज हमारे लिए खतरा बनता जा रहा है। वह इसलिए खतरा बन रहा है कि चीन की निगाहें भारत के बाजार पर लगी हैं। चीन अपनी रेल लाइनें हमारी सीमाओं से मिलाने का काम कर रहा है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रामकिशुन जी, अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री रामकिशुन : इसलिए मैं इन सब बातों से अपने को सम्बद्ध करते हुए आपसे यही निवेदन करना चाहता हूं कि ऐसे भ्रष्टाचार के खिलाफ हम सबको मिलकर लड़ना चाहिए और इस पर बहस के लिए ज्यादा समय निश्चित करना चाहिए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।